BSKC-112

बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत कार्यक्रम
(**BSKC 112**)

पाठ्यक्रम – BSKC-112
संस्कृत व्याकरण

सत्रीय कार्य
(जुलाई–2024 एवं जनवरी–2025 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.के.सी–112
संस्कृत व्याकरण

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम – **BSKC-112**

संस्कृत व्याकरण

पाठ्यक्रम कोड : **BSKC**–112 / 2024–2025

प्रिय छात्र / छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (**TMA**) है । सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं । सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे ।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं । यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें ।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

1.) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए ।

2.) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ....

नाम : ....

पता : ....

पाठ्यक्रम का नाम / कोड : ....

सत्रीय कार्य कोड : ....

अध्ययन केन्द्र का नाम / कोड : ....

दिनाँक : ....

<u>सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि</u>

जुलाई 2024 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2025

जनवरी 2025 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2025

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययनः सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए ।
2. अभ्यासः उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए । अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुतिः जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

संस्कृत व्याकरण
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : **BSKC** –112
पाठ्यक्रम शीर्षक : संस्कृत व्याकरण
सत्रीय कार्य : **BSKC** –112 / **TMA** / 2024–2025

पूर्णांक : 100

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए? **(2X3=6)**
   (1) अल् (3) हल् (5) अच्
   (2) एच् (4) अण् (6) अट्
2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वर्णों के उच्चारण स्थान एवं आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए? **(2X3=6)**
   (1) क (3) ओ (5) ल
   (2) ष (4) द (6) ञ
3. निम्मनलिखित में से दो संज्ञाओं को सूत्र एवं उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए? **(3X2=6)**
   (1) संयोग (2) सवर्ण (3) स्वरित (4) इत्
4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए? **(4X2=8)**
   (1) साधकतमं करणम्
   (2) सप्तम्यधिकरणे च
   (3) प्रातिपदिकार्थलिङ्परिमाणवचनमात्रे प्रथमा
   (4) ध्रवमपायेऽपादानम्
5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के चिहनांकित पदों में कारक एवं विभक्ति को स्पष्ट करें? **(4X2=8)**
   (1) <u>माणवकं</u> <u>पन्थानं</u> पृच्छति
   (2) <u>ग्राम्</u> <u>अजां</u> कर्षति
   (3) <u>बलिं</u> याचते <u>वसुधाम्</u>
   (4) <u>माणवकं</u> <u>पन्थनं</u> पृच्छति
6. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पदों का सूत्र निर्देशपूर्वक संधिविच्छेद कीजिए। **(2X3=6)**
   (1) एतन्मुरारि (2) एषो गच्छति
   (3) रामोऽस्ति (4) असावयम्
   (5) मध्वरि (6) तथैव

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए। (4X2=8)

(1) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः
(2) ष्टुना ष्टुः
(3) वृद्धिरेचि
(4) इको यणचि

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों में सूत्रोल्लेख पूर्वक समास स्पष्ट कीजिए। (4X2=8)

(1) वागार्थाविव,
(2) उपकृष्णम्
(3) दुर्यवनम्
(4) कृष्णश्रितः

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक समास स्पष्ट कीजिए। (4X2=8)

(1) संज्ञापरिभाषम्
(2) अनाथः
(3) हरिहरौ
(4) चित्रगुः

10. कृत्य अथवा क्त्वा प्रत्ययों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए। (6)

11. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन में प्रकृति प्रत्यय स्पष्ट करें। (2X3=6)

(1) लघुतमः (3) औत्सः (5) दण्डी

(2) वैयाकरणः (4) रष्ट्रियः (6) ग्रामता

12. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सिद्धि करें। (3·5X2=7)

(1) मूषिका (2) कुरुः (3) कर्त्री (4) एडका

13. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन सूत्रों की व्याख्या कीजिए। (4X3=12)

(1) उगितश्च
(2) एतिस्तुशास्वृदृजुषः क्यप्
(3) ऊङ् उतः
(4) तुमुण्ण्वुलौ क्रियायां क्रियार्थायाम्
(5) ऋन्नेभ्यो ङीप्
(6) इगुपधज्ञाप्रीकिरः कः

14. 'इ' अथवा ओ के कितने प्रकार होते हैं आरेख के माध्यम से स्पष्ट करें। (5)